M.A. Hindi Syllabus (Semester Pattern)

सेमेस्टर : I

101 : हिंदी –साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

102 : काव्यशास्त्र / साहित्यशास्त्र के सिद्धांत

103 : (क) आधुनिक काव्य

(ख) हिंदी निबंध साहित्य

104 : (क) हिंदी नाटक एवं रंगमंच

(ख) हिंदी एकांकी

(ग) जीवनी और आत्मकथा

(घ) हिंदी की अन्य गद्य–विधाएँ

सेमेस्टर II

201 : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

202 : आलोचना : दृष्टि एवं प्रवृत्तियाँ

203 : (क) समकालीन कविता

(ख) समकालीन कथा–साहित्य

204 : (क) कबीर

(ख) प्रसाद

(ग) प्रेमचंद

(घ) निराला

सेमेस्टर III

301 : हिंदी–भाषा

302 : हिंदी उपन्यास

303 : (क) मध्यकालीन काव्य

(ख) प्रयोजनमूलक हिंदी

304 : (क) स्थानीय साहित्य

(ख) दलित विमर्श

(ग) स्त्री–विमर्श

(घ) आदिवासी साहित्य

सेमेस्टर IV

401 : भाषा–विज्ञान

402 : अनुसंधान–प्रविधि

403 : (क) हिंदी–पत्रकारिता

(ख) अनुवाद–अध्ययन

404 : (क) हिंदी लोकसाहित्य

(ख) हिंदी–सिनेमा

(ग) तुलनात्मक अध्ययन

(घ) अनुदित साहित्य

सेमेस्टर : I

इस सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होंगे। इन पर्चों में हिंदी साहित्य के विविध (अलग–अलग) रूपों का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। इस बात का ख्याल रखा गया है कि शिक्षक और छात्रों की सहभागिता की गुंजाइश कक्षा में बनी रहे और प्रत्येक शिक्षक को इसका अवसर हो कि प्रस्तावित ढाँचे में वह प्रयोग कर सके। इस बात की अपेक्षा भी है कि चारों पर्चों में अन्तःसंबंध को लेकर शिक्षक सचेत रहें और शिक्षण–पद्धति में सहकारी रवैये को अपनाने की कोशिश करें । साथ ही रचना और पाठ को केन्द्र में रखते हुए सैद्धांतिक चर्चा भी करें।

प्र□नपत्र : 101 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

इकाई 1

हिंदी साहित्य का इतिहास : लेखन की परंपरा , पुनर्लेखन की आवश्यकता एवं समस्याएं , काल विभाजन एवं नामकरण।

इकाई 2

आदिकाल : पृष्ठभूमि , नामकरण , प्रमुख काव्यधाराएँ एवं प्रतिनिधि रचनाकार ।

इकाई 3

भक्तिकाल : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि , कालनिर्धारण , नामकरण , भक्ति आंदोलन , प्रतिनिधि काव्यधाराएँ , प्रतिनिधि रचनाकार।

इकाई 4

रीतिकाल : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि , कालनिर्धारण , नामकरण , प्रतिनिधि काव्यधाराएँ एवं रचनाकार

विचारणीय बिंदु :–

- हिंदी साहित्येतिहास दर्शन का परिचय।
- साहित्य की पृष्ठभूमि का बोध।
- भक्ति आंदोलन का महत्व निरूपण ।
- साहित्य में दरबारीपन का प्रभाव और उसके दुष्परिणाम।

सहायक ग्रंथ : –

1) हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2) हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

3) हिंदी साहित्य उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

4) हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

5) हिंदी साहित्य का वैज्ञनिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

6) हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक , डॉ. नगेन्द्र

7) हिंदी साहित्य का बृहद इतिहास – संपादक , नागरी प्रचारणी सभा , वाराणसी द्वारा प्रकाशित

8) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामकिशोर शर्मा

9) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा

प्र□नपत्र : 102 : साहित्य□ास्त्र के सिद्धांत

इकाई 1

काव्य	:	लक्षण , हेतु , प्रयोजन , प्रकार।
रस सिद्धांत	:	स्वरूप , रसनिष्पत्ति और साधारणीकरण।
रीति सिद्धांत	:	अवधारणा एवं भेद ।

इकाई 2

ध्वनि सिद्धांत	:	स्वरूप , स्थापनाएँ और भेद।
औचित्य सिद्धांत	:	अवधारणा और महत्व।
वक्रोक्ति सिद्धांत	:	अवधारणा और भेद।

इकाई 3

प्लेटो	:	काव्य सिद्धांत
अरस्तु	:	अनुकरण और विरेचन
क्रोचे	:	अभिव्यंजनावाद
लौंजाइनस	:	उदात्त की अवधारणा

इकाई 4

कॉलरिज	:	फैंटेसी की अवधारणा
टी.एस. इलियट	:	निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई.ए.रिचर्डस	:	सम्प्रेषण सिद्धांत
विलियम वर्डसवर्थ	:	काव्य भाषा सिद्धांत

विचारणीय बिंदु

भारतीय और पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों एवं शास्त्रों का परिचय।
संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा का बोध।
पाश्चात्य चिन्तन की समझ।
साहित्य चिन्तन की पहचान और परख।

सहायक ग्रंथ

1) रस मिमांसा	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) साहित्यालोचन	:	डॉ. श्यामसुंदरदास
3) भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	:	डॉ. नगेन्द्र
4) काव्यतत्व विमर्श	:	राममूर्ति त्रिपाठी
5) काव्यशास्त्र के नये क्षितिज	:	राममूर्ति त्रिपाठी
6) रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	:	रामविलास शर्मा
7) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	योगेंद्रप्रतापसिंह
8) भारतीय काव्यशास्त्र	:	डॉ. विजयपाल सिंह
9) पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	डॉ. विजयपाल सिंह
10) साहित्य की समाजशास्त्र की भूमिका	:	मैनेजर पाण्डेय
11) पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	निर्मला जैन
12) हिंदी आलोचना	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
13) हिंदी आलोचना के बीज शब्द	:	बच्चनसिंह

प्र□नपत्र : 103 : (क) आधुनिक काव्य

इकाई 1

जयशंकर प्रसाद	–	कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई 2

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	–	राम की शक्तिपूजा , कुकुरमुत्ता

इकाई 3

अज्ञेय	–	असाध्यवीणा

इकाई 4

नागार्जुन	–	बादल को घिरते देखा है सिंदुर तिलकित भाल प्रेत का बयान अकाल और उसके बाद
मुक्तिबोध	–	अंधेरे में

विचारणीय बिंदु

- हिंदी महाकाव्यात्मक काव्य परम्परा का बोध।
- आख्यानमूलक या प्रबंधात्मक काव्य रचना परंपरा का परिचय।
- हिंदी लंबी कविता परंपरा का वैशिष्ट्य बोध।
- कविता में प्रगतिशील दृष्टि।
- समाज और साहित्य का अन्तस्संबंध।

सहायक ग्रंथ

• कामायनी	–	जयशंकर प्रसाद
• राग–विराग	–	संपादक रामविलास शर्मा
• चाँद का मुँह टेढ़ा है	–	मुक्तिबोध
• अज्ञेय	–	प्रतिनिधि संकलन
• नागार्जुन	–	नागार्जुन रचनावली , संपादक–शोभाकांत–भाग 1
• कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	–	डॉ. नगेन्द्र
• कामायनी एक पुनर्विचार	–	मुक्तिबोध
• कामायनी पुनर्मूल्यांकन	–	रामस्वरूप चतुर्वेदी
• अलक्षित निराला	–	डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
• निराला : एक आत्महन्ता आस्था	–	दूधनाथसिंह
• निराला और मुक्तिबोध	–	नंदकिशोर नवल
• छायावाद और निराला	–	डॉ. वीणा दाढ़े
• अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या	–	रामस्वरूप चतुर्वेदी
• मुक्तिबोध प्रतीक और बिंब	–	चंचल चौहान
• नागार्जुन	–	सुरेशचंद्र त्यागी
• कविता के नये प्रतिमान	–	नामवर सिंह

प्र□नपत्र : 103 (ख) : हिंदी निबंध साहित्य

इकाई 1

हिंदी निबंध	:	परिभाषा , स्वरूप एवं प्रकार।
हिंदी निबंध	:	तत्व एवं शैलियाँ।
हिंदी निबंध	:	उद्‌भव और विकास।

इकाई 2

प्रतापनारायण मिश्र	:	चिन्ता।
महावीरप्रसाद द्विवेदी	:	हंस का नीर क्षीर विवेक।

इकाई 3

रामचन्द्र शुक्ल	:	उत्साह।
हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	नाखून क्यों बढ़ते है।

इकाई 4

डॉ. रामविलास शर्मा	:	यथार्थ जगत और साहित्य।
विद्यानिवास मिश्र	:	बनजारा मन।
हरिशंकर परसाई	:	सदाचार का ताबीज।

विचारणीय बिंदु

- हिंदी गद्य की प्रारंभिक विधा से परिचय।
- निबंध गद्य की कसौटी क्यों है इसका बोध।
- हिंदी निबंध परंपरा का ज्ञान।
- निबंध के प्रभाव एवं महत्व का आकलन।

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी का गदय साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
2) हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3) हजारी प्रसाद द्विवेदी व्यक्तित्व एवं साहित्य – संपादक , रामचंद्र शुक्ल
4) भारतेंदु युग – डॉ. रामविलास शर्मा
5) हिंदी गद्य मीमांसा – रमाकांत त्रिपाठी
6) हिंदी का गद्य इतिहास – रामचंद्र तिवारी
7) प्रतापनारायण ग्रंथावली – संपादक विजयशंकर मल्ल
8) चिंतामणि भाग 1 , 2 , – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

प्र□नपत्र : 104 (क) : हिंदी नाटक एवं रंगमंच

इकाई 1

नाटक और रंगमंच : स्वरूप एवं संरचना
नाटक की भारतीय परंपरा
पारसी थिएटर
हिंदी नाटक का विकास

इकाई 2

हिंदी रंगमंच का विकास
हिंदी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका
रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ
रंगभाषा

इकाई 3

अंधेर नगरी	–	भारतेन्दु हरिश्चंद्र
स्कंदगुप्त	–	जयशंकर प्रसाद

इकाई 4

आधे-अधूरे	–	मोहन राकेश
अंधायुग	–	धर्मवीर भारती

विचारणीय बिंदु

- नाटक और रंगमंच विधा से परिचय।
- नाटक और रंगमंच परंपरा का बोध।
- युगीन दृष्टि से नाटक और रंगमंच के मूल्यांकन एवं महत्व का आकलन।
- समाज , साहित्य , और नाट्य के अंतःसंबंधों की पहचान ।

सहायक ग्रंथ

1) नाटक और रंगमंच की भूमिका	–	लक्ष्मीनारायणलाल
2) हिंदी नाटक	–	बच्चनसिंह
3) हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास	–	डॉ. दशरथ ओझा
4) आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	–	नेमीचंद्र जैन
5) आज के रंग नाटक	–	सं. सुरेश अवस्थी

6) नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार – जयदेव तनेजा
7) आधे–अधूरे – मोहन राकेश
8) अंधा युग – धर्मवीर भारती
9) अंधेर नगरी – भारतेंदु ग्रंथावली
10) हिंदी नाट्य सिद्धांत एवं विवेचन – डॉ. गिरीश रस्तोगी
12) आज के हिंदी नाटक – जयदेव तनेजा
13) नाटक और रंगमंच – सं. गिरीश रस्तोगी
14) रंग दर्शन – नेमिचंद जैन
15) नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना – सत्येन्द्र कुमार तनेजा
16) प्रसाद का नाट्य–कर्म – सत्येन्द्र कुमार तनेजा
17) रंगभाषा – नेमिचंद्र जैन

104 (ख) : हिंदी एकांकी

इकाई 1

हिंदी एकांकी : स्वरूप और परिभाषा।
हिंदी एकांकी : तत्व एवं विशेषताएँ।
हिंदी एकांकी और नाटक।

इकाई 2

एकांकी के भेद।
हिंदी एकांकी उद्‌भव और विकास।

इकाई 3

डॉ. रामकुमार वर्मा – कौमुदी महोत्सव
भुवनेश्वर – पतित

इकाई 4

विष्णु प्रभाकर – सीमा रेखा
जगदीशचंद्र माथुर – भोर का तारा

विचारणीय बिंदु

- हिंदी एकांकी विधा का परिचय ।
- हिंदी एकांकी एवं नाटक के संबंध की जानकारी।
- साहित्यिक विधाओं में एकांकी का महत्व बोध।
- एकांकी की सामाजिक प्रासंगिकता।

सहायक ग्रंथ

1) सात एकांकी	–	डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
2) हिंदी एकांकी और एकांकीकार	–	डॉ. रामचरण महेन्द्र
3) हिंदी नाटक सिद्धांत एवं विवेचन	–	डॉ. गिरीश रस्तोगी
4) हिंदी का गद्य साहित्य	–	रामचन्द्र तिवारी
5) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	–	डॉ. बच्चन सिंह
6) हिंदी एकांकी शिल्प विधि का विकास	–	डॉ. सिद्धनाथ कुमार
7) आधुनिक भारतीय रंग परिदृश्य	–	डॉ. जयदेव तनेजा
8) संपूर्ण रंगनाट्य	–	डॉ. गोविंद चातक
9) हिंदी एकांकी	–	डॉ. सत्येन्द्र

104 (ग) : जीवनी और आत्मकथा

इकाई 1

हिंदी जीवनी साहित्य : उद्‌भव और विकास।
हिंदी जीवनी साहित्य की विशेषताएँ।
हिंदी जीवनी साहित्य : प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ – सामान्य परिचय ।

इकाई 2

हिंदी आत्मकथा लेखन की परम्परा।
हिंदी आत्मकथा साहित्य : प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ – सामान्य परिचय

इकाई 3

जीवनी

विष्णु प्रभाकर	–	आवारा मसीहा
शिवरानी देवी	–	प्रेमचंद घर में

इकाई 4

आत्मकथा

हरिवंशराय बच्चन	–	क्या भूलूँ क्या याद करूँ (भाग–1)
रामदरश मिश्र	–	जहाँ मैं खड़ा हूँ

विचारणीय बिंदु

- साहित्य की नितांत वैयक्तिक विधाओं का परिचय।
- जीवनी लेखन कला की समझ।

- आत्मकथा लेखन कला की समझ।
- जीवनी एवं आत्मकथा लेखन में अन्तर।
- जीवनी एवं आत्मकथा की साहित्यिक उपयोगिता।
- जीवनी एवं आत्मकथा लेखन की चुनौतियाँ।

सहायक ग्रंथ

1) आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
2) प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी
3) क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन
4) जहाँ मैं खड़ा हूँ – रामदरश मिश्र
5) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
6) हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7) हिंदी की गद्य विधाएँ – रामचंद्र तिवारी
8) विष्णु प्रभाकर – डॉ. विश्वासनाथ मिश्र
9) आवारा मसीहा जीवनी के निकष पर – माया मलिक
10) हिंदी आत्मकथाएँ सिद्धांत , स्वरूप एवं विश्लेषण – डॉ. विनिता अग्रवाल

104 (घ) : हिंदी की अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, रेखाचित्र, रिर्पोताज, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार)

इकाई 1

हिंदी गद्य का परिचय।
गद्य विधाओं का स्वरूप और विकास।

इकाई 2

विवेच्य गद्य विधाओं की प्रमुख रचनाएँ एवं रचनाकार।
विवेच्य गद्य विधाओं की अद्यतन स्थिति।

इकाई 3

संस्मरण
महादेवी वर्मा – पथ के साथी

रेखाचित्र
रामवृक्ष बेनिपुरी – माटी की मूरतें

इकाई 4

रिर्पोताज

फणीश्वरनाथ रेणु – ऋणजल धनजल

यात्रावृत्तांत

राहुल सांकृत्यायन – मेरी लद्दाख यात्रा

किन्नर देश में

निर्मल वर्मा – चीड़ो पर चांदनी

साक्षात्कार

डॉ. रामविलास शर्मा – मेरे साक्षात्कार

विचारणीय बिंदु

- हिंदी की अन्य गद्य विधाओं का परिचय।
- हिंदी की विवेच्य गद्य विधाओं में वैयक्तिक स्पर्श।

सहायक ग्रंथ

1) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
2) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3) पथ के साथी – महादेवी वर्मा
4) माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनिपुरी
5) ऋणजल धनजल – फणीश्वरनाथ रेणु
6) राहुल सांकृत्यायन – सं. डॉ. रामविलास शर्मा
7) हिंदी की गद्य विधाएँ – रामचंद्र तिवारी

सेमेस्टर II

201 : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई 1

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं विशेषताएँ।

हिंदी गद्य का आविर्भाव एवं हिंदी नवजागरण।

इकाई 2

आधुनिककाल काल : युग एवं प्रवृत्तियाँ – भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यकार , रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार , रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
छायावादी युग : प्रमुख साहित्यकार , रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3

आधुनिककाल : वाद एवं प्रवृत्तियाँ – प्रगतिवाद , प्रयोगवाद , नई कविता , नवगीत , अकविता , समकालीन कविता।
– प्रमुख रचनाकार , रचनाएँ एवं विशेषताएँ ।

इकाई 4

प्रमुख गद्य विधाएँ – उपन्यास , कहानी , नाटक , एकांकी , निबंध , संस्मरण , रेखाचित्र , जीवन , आत्मकथा , रिपोर्ताज–परिचय एवं विकास , हिंदी आलोचना का उद्‌भव एवं विकास।

विचारणीय बिंदु

- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा का बोध।
- हिंदी गद्य के आर्विभाव एवं विविध विधाओं की जानकारी।
- साहित्येतिहास का प्रवृत्तिगत अध्ययन ।

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य , उद्‌भव और विकास – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
4) हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
5) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
6) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
7) नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – डॉ. गजानन माधव मुक्तिबोध
8) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामकिशोर शर्मा
9) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
10) प्रगतिशील साहित्य – डॉ. रामेश्वर शर्मा

202 : आलोचना : दृश्टि एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई 1

पश्चिम के प्रमुख वाद : स्वच्छन्दतावाद , आधुनिकतावाद , अभिव्यंजनावाद , मार्क्सवाद , संरचनावाद , उत्तरसंरचनावाद , विखण्डनवाद , उत्तर आधुनिकतावाद , नई समीक्षा ।

इकाई 2

हिंदी के प्रमुख वाद : शास्त्रीय , व्यक्तिवादी , तुलनात्मक , प्रभाववादी , सौंदर्यशास्त्रीय, मार्क्सवादी , शैलीवैज्ञानिक , समाजशास्त्रीय – अर्थ एवं स्वरूप ।

इकाई 3

हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास।
प्रमुख आलोचक : रामचंद्र शुक्ल , हजारीप्रसाद द्विवेदी , नंददुलारे वाजपेयी , रामविलास शर्मा , नामवर सिंह।

इकाई 4

रचनाकार आलोचक : अज्ञेय , विजय देवनारायण साही , मुक्तिबोध , मलयज , निर्मल वर्मा , निर्मला जैन , अशोक वाजपेयी , रमेशचंद्र शाह।

विचारणीय बिंदु

- आलोचना की विविध प्रवृत्तियों का परिचय।
- आधुनिक हिंदी आलोचना का परिचय।
- हिंदी आलोचना के प्रमुख हस्ताक्षरों से साक्षात्कार।
- रचनाकार आलोचकों की आलोचना दृष्टि का परिचय ।

सहायक ग्रंथ

1) इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह
2)कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
3)वाद–विवाद–संवाद – नामवर सिंह
4)छायावाद – नामवर सिंह

5) आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द – बच्चनसिंह
6) हिंदी आलोचना : बीसवी सदी – निर्मला जैन
7) हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
8) समीक्षा शास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. श्यामसुंदरदास
11) आलोचना और आलोचना – डॉ. बच्चनसिंह
12) रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – डॉ. रामविलास शर्मा
13) आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना परंपरा – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
14) संरचनावाद उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र – डॉ. गोपीचंद नारंग
15) साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – डॉ. मैनेजर पाण्डेय
16) उत्तर आधुनिक दौर में साहित्य – सुधीर पचौरी
17) हिंदी साहित्य बींसवी सदी – नंददुलारे वाजपेयी
18)नई कविता का आत्मसंघर्ष एवं अन्य निबंध – मुक्तिबोध
19)यर्थाथवाद – शिवकुमार मिश्र
20)मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन – शिवकुमार मिश्र
21) आलोचना और आलोचना – देवीशंकर अवस्थी
22) आलोचना की समकालीनता – परमानंद श्रीवास्तव
23) प्रगतिशील साहित्य – डॉ. रामेश्वर शर्मा
24) नये मान : पुराने प्रतिमान – डॉ. रामेश्वर शर्मा
25) आलोचकों की आलोचना – डॉ. मनोज पाण्डेय

203 (क) : समकालीन कविता

इकाई 1

समकालीन कविता : स्वरूप और महत्व
समकालीन कविता की विशेषताएं
समकालीन काव्यान्दोलन

इकाई 2

रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरूद्ध
बड़े देशों की राजनीति
मुझे कुछ और कहना था

कुँवर नारायण : वसंत की एक लहर
भुतहा घर
शतरंज

धूमिल : पटकथा
मोचीराम

इकाई 3

केदारनाथ सिंह	:	बाघ कुदाल
अरूण कमल	:	नये इलाके में , हमारे युग का नायक
रमेशचंद शाह	:	आपातकाल मुनीम का चिंता

इकाई 4

लीलाधर जगूड़ी	:	आम आदमी 1973 इतिहास से भी पहले
राजेश जोशी	:	प्रजापति मारे जायेंगे
अशोक वाजपेयी	:	दिवंगत माँ के नाम पत्र पूर्वजों की अस्थियों में

विचारणीय बिंदु

- समकालीन कविता परंपरा का बोध।
- समकालीनता से परिचय।
- हिंदी कविता की सामाजिकता का परिचय।
- समकालीन कविता का वैशिष्ट्य बोध।

सहायक ग्रंथ

1) नई कविता नये कवि – विश्वंभर मानव
2) समकालीन कविता – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
3) समकालीन कविता – डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र
4) आधुनिक हिंदी काव्यधारा – डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र
5) कविता के नये प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
6) समकालीन कविता का बीजगणित – कुमार कृष्ण
7) रघुवीर सहाय – संपादक विष्णु नागर , असद ग़ैदी
8) रघुवीर सहाय का कवि कर्म – सुरेश शर्मा
9) समकालीन कविता का व्याकरण – परमानंद श्रीवास्तव
10) साठोत्तरी हिंदी कविता की परिवर्तित दिशाएँ – विजय कुमार

11) कविता का अर्थात – परमानंद श्रीवास्तव
12) अथातो काव्य जिज्ञासा – डॉ. मंजुल उपाध्याय
13) नई कविता की चेतना – डॉ. जगदीश कुमार
14) अनुभव के आकाश में चाँद – लीलाधर जगूड़ी
15) रात अब भी मौजूद है – लीलाधर जगूड़ी
16) नये इलाके में – अरूण कमल
17) समकालीन कविता का समीकरण – डॉ. प्रमोद शर्मा

203 (ख) : समकालीन कथा साहित्य

कहानी

इकाई 1

समकालीन कहानी : स्वरूप एवं महत्व
समकालीनता की विशेषताएँ
समकालीन कहानी आंदोलन

इकाई 2

राजेन्द्र यादव – जहाँ लक्ष्मी कैद है।
निर्मल वर्मा – कव्वे और काला पानी
उदयप्रकाश – तिरिछ
ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम
मैत्रेय पुष्पा – छुटकारा

उपन्यास

इकाई 3

मन्नू भंडारी – महाभोज

इकाई 4

कमलेश्वर – कितने पाकिस्तान
ममता कालिया – दौड़

विचारणीय बिंदु

- साठोत्तरी कथा साहित्य में चित्रित युगबोध का परिचय।
- साठोत्तरी कथा साहित्य के विविध रूप
- साठोत्तरी कथा साहित्य में शिल्पगत विविधता।

- पठनीयता एवं लोकप्रियता की दृष्टि से साठोत्तरी कथासाहित्य की भूमिका।

सहायक ग्रंथ

1) साठोत्तरी हिंदी उपन्यास विविध प्रयोग	–	डॉ. कुसुम शर्मा
2) साठोत्तरी उपन्यास	–	डॉ. पारूकांत देसाई
3) हिंदी उपन्यास शिल्प और प्रयोग	–	डॉ. त्रिभुवन सिंह
4) उपन्यास का शिल्प	–	डॉ. गोपाल राय
5) हिंदी उपन्यास सामाजिक चेतना	–	कुँवर पालसिंह
6) हिंदी उपन्यास की दिशाएँ	–	वेदप्रकाश अमिताभ
7) नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	–	देवीशंकर अवस्थी
8) नई कहानी की भूमिका	–	कमलेश्वर
9) समकालीन हिंदी कहानी	–	पुष्पपाल सिंह
10) हिंदी कहानी : पहचान और परख	–	इंद्रनाथ परख

204 (क) : कबीरदास

- **कबीर** – सम्पादक – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (50 से 100 पद)

इकाई 1

कबीर –परिचय , दृष्टि एवं महत्व

इकाई 2

कुल 15 पद

गुरूदेव कौ अंग– 03, 19, 22, 27, 56, 57, 65, 75, 130, 137, 189, 197, 198, 232, 254 = 15

इकाई 3

कुल 15 पद

सुमिरण कौ अंग– 1, 7, 8, 10, 24, 25, 26, 28, 29, 34, 41, 45, 50, 52, 53 = 15

इकाई 4

कुल 15 पद

उपदेस कौ अंग – 39, 42, 43, 44, 47, 48, 49, 54, 58, 59, 60, 62, 67, 78, 79 = 15

सहायक ग्रंथ

1) कबीर ग्रंथावली : संपा. डॉ. श्यामसुंदर दास
2) कबीर : प्रो. वासुदेव सिंह
3) कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
4) कबीर : विजयेन्द्र स्नातक
5) कबीर का रहस्यवाद : रामकुमार वर्मा
6) कबीर साधना और साहित्य : प्रतापसिंह चौहान
7) कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत
8) कबीर मीमांसा : रामचंद्र तिवारी
9) कबीर : एक नई दृष्टि : रघुवंश
10) कबीर काव्य का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : भगवत प्रसाद दुबे
11) कबीर : नई सदी में : डॉ. धर्मवीर
12) हिंदी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : पितांबरदत्त बडथ्वाल
13) कबीर बीजक : शुकदेव सिंह
14) कबीर का सच : डॉ. सोलजी

204 (ख) : जय□ांकर प्रसाद

इकाई 1

झरना

इकाई 2

आंसू

इकाई 3

ध्रुवस्वामिनी

इकाई 4

चंद्रगुप्त

सहायक ग्रंथ

1) जयशंकर प्रसाद : रत्नशंकर प्रसाद
2) जयशंकर प्रसाद : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
3) प्रसाद के नाटक : परमेश्वरीलाल
4) प्रसाद का नाट्य साहित्य : भानुदेव
5) प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथप्रसाद शर्मा
6) नाटककार जयशंकर प्रसाद : संपा. सत्येन तनेजा
7) प्रसाद की नाट्य भाषा : संजय त्रिवेदी

8) प्रसाद का काव्य : डॉ. प्रेमशंकर
9) प्रसाद की कविताएँ : पं. सुधाकर पांडेय
10)कवि प्रसाद की काव्य साधना : रामनाथ सुमन
11)जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला : डॉ. रामेश्वरप्रसाद खंडेलवाल
12) हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास : डॉ. दशरथ ओझा
13) हिंदी नाटक : सिद्धांत और विवेचना : गिरीश रस्तोगी
14) हिंदी नाटक : बच्चन सिंह
15) छायावाद युग : डॉ. शंभुनाथ सिंह

204 (ग) : प्रेमचंद

इकाई 1

सेवासदन

इकाई 2

गबन

इकाई 3

रंगभूमि

इकाई 4

निर्मला

सहायक ग्रंथ

1) प्रेमचंद आज के संदर्भ में : गंगाप्रसाद विमल
2) प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
3) प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : शैलेश जैदी
4) प्रेमचंद : एक अध्ययन : राजेश्वर गुरू
5) प्रेमचंद : अध्ययन की नई दिशाएँ : कमलकिशोर गोयनका
6) प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
7) प्रेमचंद –जीवन और कृतित्व : हंसराज रहबर
8) प्रेमचंद की विरासत : राजेन्द्र यादव
9) प्रेमचंद : विरासत का सवाल : शिवकुमार मिश्र
10)प्रेमचंद के आयाम : ए. अरविंदाक्षन
11)गोदान नया परिप्रेक्ष्य : गोपाल राय
12)उपन्यासकार प्रेमचंद : सं. सुरेशचन्द्र गुप्त , रमेशचन्द्र गुप्त
13)समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद : महेंद्र भटनागर

14)आद्य बिंब और गोदान : कृष्ण मुरारी मिश्र

204 (घ) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला '

इकाई 1

परिमल

इकाई 2

बेला

इकाई 3

अर्चना

इकाई 4

नये पत्ते

सहायक ग्रंथ

1) निराला की साहित्य साधना (तीन खंड) : रामविलास शर्मा
2) निराला : आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह
3) निराला की कविताएँ और काव्य भाषा : रेखा खरे
4) निराला : मूल्यांकन और मूल्यांकन : सं. परमानंद श्रीवास्तव
5) निराला के काव्य में मानवीय चेतना : डॉ. रमेशदत्त मिश्र
6) निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ : सन्ध्या सिंह
7) क्रांतिकारी कवि निराला : बच्चन सिंह
8) छंद–छंद पर कुंकुम : निराला की राम शक्ति पूजा – टीका : वागीश शुक्ल
9) अलक्षित निराला : सूर्यप्रसाद दीक्षित
10) छायावाद का पुनर्मूल्यांकन : रामदरश मिश्र

सेमेस्टर III

301 : हिंदी भाशा

इकाई 1

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	:	प्राचीन , मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ – परिचय और वर्गीकरण।
हिंदी की उपभाषाएँ और बोलियाँ	:	पश्चिमी हिंदी , पूर्वी हिंदी , राजस्थानी , बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ ।

इकाई 2

हिंदी व्याकरण	:	शब्द रचना	–	उपसर्ग , प्रत्यय ओर समास।
		रूप रचना	–	लिंग , वचन , कारक।
		वाक्य रचना	–	पदक्रम और अन्विति।

इकाई 3

हिंदी के विविध रूप	:	मातृभाषा , राजभाषा , सम्पर्क भाषा , संचारभाषा , राष्ट्रभाषा।

इकाई 4

देवनागरी लिपि	:	विशेषताएँ एवं मानकीकरण

विचारणीय बिंदु

- हिंदी भाषा का सामान्य बोध।
- हिंदी भाषा का विकासात्मक परिचय।
- हिंदी व्याकरण की जानकारी।
- भाषा के विविध रूपों का परिचय।
- देवनागरी लिपि का परिचय।

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास – डॉ. हरदेव बाहरी

2) हिंदी और भारतीय भाषाएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी

3) हिंदी और उसकी उपभाषाएँ का स्वरूप – अम्बाप्रसाद सुमन

4) हिंदी की उपभाषाएँ और ध्वनियाँ – रामचंद्र मिश्र

5) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी

6) हिंदी भाषा का विकास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

7) नागरी लिपि – गौरीशंकर हीराचंद ओझा

8) राजभाषा हिंदी – कैलासचंद्र भाटिया

9) हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी

10) आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा

11) हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग – नामवर सिंह

12) हिंदी भाषा – श्यामसुंदर दास

302 : आधुनिक हिंदी कथासाहित्य (सन् 60 के पूर्व)

इकाई 1

हिंदी उपन्यास : परिभाषा और स्वरूप।

हिंदी उपन्यास : उद्‌भव , विकास एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई 2

हिंदी कहानी : परिभाषा और स्वरूप।

हिंदी कहानी : उद्‌भव , विकास एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई 3

उपन्यास

गोदान – प्रेमचंद

मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु

राग दरबारी – श्रीलाल शुक्ल

इकाई 4

कहानियाँ

उसने कहा था	–	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
ठाकुर का कुआँ	–	प्रेमचंद
परदा	–	यशपाल
पत्नी	–	जैनेन्द्र कुमार
पक्षी और दीमक	–	मुक्तिबोध
जिंदगी और जोंक	–	अमरकांत

विचारणीय बिंदु

- हिंदी कथा परम्परा का बोध।
- हिंदी कथा में सामाजिक चेतना।
- कथा साहित्य की विविध प्रवृत्तियों का परिचय।
- कहानी और उपन्यास में अन्तर।
- कथानक रूढ़ियाँ और बदलता स्वरूप।

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी उपन्यास का इतिहास	–	गोपालराय
2) हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा	–	रामदरश मिश्र
3) हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष	–	रामदरश मिश्र
4) उपन्यास स्वरूप और संवेदना	–	राजेन्द्र यादव
5) हिंदी उपन्यास स्थिति और गति	–	डॉ. चंद्रकाल बांदिवडेकर
6) हिंदी उपन्यास	–	शिवनारायण श्रीवास्तव
7) उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा	–	परमानंद श्रीवास्तव
8) हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ	–	शशिभूषण सिंघल
9) कहानी प्रवृत्ति एवं विश्लेषण	–	सुरेन्द्र उपाध्याय
10)समकालीन कहानी की पहचान	–	नरेन्द्र मोहन
11) कहानी नई कहानी	–	नामवर सिंह
12) हिंदी कहानी पहचान और परख	–	इंद्रनाथ मदान
13) हिंदी कहानी के सौ वर्ष	–	वेद प्रकाश अमिताभ
14) नई कहानी की भूमिका	–	कमलेश्वर
15) प्रेमचंद और उनका युग	–	रामविलास शर्मा

303 (क) : मध्यकालीन काव्य

इकाई 1

कबीर : संपादक : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी – (1 से 25)

जायसी : पद्मावत – संपादक : आचार्य रामचंद शुक्ल – नागमति वियोग खण्ड

इकाई 2

सूरदास : भ्रमरगीतसार – सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

इकाई 3

तुलसीदास : रामचरितमानस – गीता प्रेस – उत्तरकाण्ड

इकाई 4

घनानंद : कवित्त : संपादक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – 12
सवैया – 3,6,8,21,36,41
कवित्त – 24,32,76,98,130,154

बिहारी : संपादक जगन्नाथदास रत्नाकर – 20
नीति : 31,32,38,42,52
प्रकृति : 1,11,25,31,71
श्रृंगार : 28,73,105,143,148,225
भाव सौंदर्य : 13,37,46,121

विचारणीय बिंदु

- हिंदी काव्य परंपरा का बोध।
- कविता में प्रबंधात्मकता की पहचान
- पुराण , मिथक , इतिहास , आख्यानमूलक तथा चरितकाव्य का परिचय।
- काव्य भाषा के रूप में अवधी , ब्रज , हिंदी का प्रयोग।

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी काव्यधारा – राहुल सांकृत्यायन
2) हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका – राममूर्ति त्रिपाठी
3) तुलसी काव्य मिमांसा – उदयभानुसिंह

4) भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा – उदयभानु चतुर्वेदी
5) सूर साहित्य – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6) कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
7) लोकवादी तुलसीदास – आचार्य विश्वनाथ त्रिपाठी
8) घनानंद – डॉ. कृष्णलाल शर्मा
9) मुक्तकाव्य परंपरा और बिहारी – रामसागर त्रिपाठी
10) कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
11) तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ
12) जायसी एक नई दृष्टि – रघुवंश
13) जायसी का पद्मावत – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

303 (ख) : प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई 1

प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा , स्वरूप एवं प्रयुक्तियाँ।
राजभाषा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान।
कार्यालयीन हिंदी : टिप्पण , प्रारूपण , संक्षेपण , पत्र लेखन।
पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं सिद्धान्त।

इकाई 2

मीडिया लेखन :
जनसंचार माध्यम : परिचय एवं महत्व।
प्रिंट मीडिया : समाचार लेखन सम्पादन , सम्पादकीय लेखन , पृष्ठसज्जा।

इकाई 3

श्रव्य माध्यम : स्वरूप एवं महत्व , रेडियो समाचार लेखन , फीचर , उद्घोषणा ।
दृश्य–श्रव्य माध्यम : स्वरूप एवं महत्व , पटकथा लेखन , पार्श्व वाचन , डाक्यू ड्रामा।

इकाई 4

कम्प्यूटर , इंटरनेट और हिंदी
कम्प्यूटर : परिचय एवं उपयोग ।
इंटरनेट : परिचय , हिंदी सॉफ्टवेअर , हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल।

विचारणीय बिंदु

- हिंदी के प्रयोजनमूलक पक्ष का परिचय।
- हिंदी की प्रयुक्तियों का परिचय।
- कार्यालयीन भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता।

- जनसंचार के विविध माध्यमों का बोध।
- सूचना तकनीक के विविध रूपों का परिचय।

सहायक ग्रंथ

1) प्रयोजनमूलक हिंदी	:	डॉ. विनोद गोदरे
2) प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं प्रयोग	:	डॉ. माधव सोनटक्के
3) कामकाजी हिंदी	:	डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
4) प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धान्त एवं प्रयोग	:	दंगल झाल्टे
5) हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम	:	वेदप्रताप वैदिक
6) समाचार संकलन एवं लेखन	:	नंदकिशोर त्रिखा
7) साक्षात्कार सिद्धान्त और व्यवहार	:	रामशरण जोशी
8) व्यवहारिक हिंदी	:	डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय
9) प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी	:	कैलासचंद्र भाटिया
10) कम्प्यूटर एवं हिंदी	:	डॉ. हरिमोहन
11) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिंदी	:	कृष्णकुमार गोस्वामी
12) उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक	:	हर्ष देव
13) प्रशासनीकी कामकाजी शब्दावली	:	डॉ. हरिमोहन
14) कार्यालयीन हिंदी	:	डॉ. मनोज पाण्डेय
15) प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम	:	डॉ. मनोज पाण्डेय

304 (क) : स्थानीय साहित्य

इकाई 1

नाटक – घासीराम कोतवाल – विजय तेंदुलकर

इकाई 2

कविता – उत्थान गुंफा – यशवंत मनोहर

इकाई 3

उपन्यास – मृत्युंजय – शिवाजी सावंत

इकाई 4

आत्मकथा – छोरा कोल्हाटी का – डॉ. किशोर शांताबाई काले

304 (ख) : दलित विम□ा

इकाई 1

दलित विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप
दलित साहित्य : परंपरा और विकास
दलित साहित्य के प्रेरणा स्त्रोत और प्रभाव : कबीर , रैदास , ज्योतिबा फुले , डॉ.बाबासाहेब आम्बेडकर
दलित आंदोलन और दलित साहित्य

इकाई 2

दलित साहित्य : आम्बेडकरवादी दर्शन
दलित साहित्य का कला पक्ष
दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

इकाई 3

दलित आत्मकथाएँ

जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि
दोहरा अभिशाप – कौशल्या वैसंत्री

इकाई 4

दलित कहानियाँ

घुसपैठिये – ओमप्रकाश वाल्मीकि
अपना गाँव – मोहनदास नेमिशराय
साजिश – सूरजपाल चौहान
सिलिया – सुशीला टाकभौरे
– श्यौराज सिंह बेचैन

विचारणीय बिंदु

- साहित्य के नये स्वर का बोध।
- उपेक्षित , बहिष्कृत समाज की अभिव्यक्ति से परिचय।
- दलित आत्मवृत्त के बहाने सामाजिक विसंगतियों की जानकारी।
- दलित चिन्तन के सौंदर्यबोध और कलापक्ष की विवेचना।

सहायक ग्रंथ

1) भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य – संपादक पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद

2) भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री – चमनलाल

3) चिन्तन की परंपरा और दलित साहित्य – श्यौराजसिंह बेचैन

4) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि

5) दलित साहित्य की भूमिका – कमलाभारती

6) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – शरणकुमार लिंबाले

304 (ग) : स्त्री विम□र्श

इकाई 1

नारी आन्दोलन : स्वरूप एवं विकास।
स्त्री विमर्श : अवधारणा और स्वरूप।
स्त्री विमर्श : परंपरा और विकास।
स्त्री विमर्श की विशेषताएँ।
स्त्री विमर्श का कला पक्ष

इकाई 2

उपन्यास

प्रभा खेतान – छिन्नमस्ता
इदन्नमम – मैत्रेय पुष्पा

इकाई 3

कहानियाँ

मैत्रेय पुष्पा – फैसला
मृणाल पाण्डेय – कर्कशा
चंद्रकिरण सौनरेक्सा – बर्थडे
मेहरून्निसा परवेज – जुगनू

इकाई 4

आत्मकथा

मन्नु भंडारी – एक कहानी यह भी

विचारणीय बिंदु

- साहित्य के नये विमर्श का परिचय।
- समाज की आधी – आबादी की अभिव्यक्ति का बोध।
- समाज में स्त्री स्थिति।
- स्त्री चिन्तन के विविध पक्षों की विवेचना।

सहायक ग्रंथ

- स्त्री अस्मिता के सवाल – डॉ. प्रभा दीक्षित
- किरदार जिन्दा है – रेखा कस्तवार
- नागपाश में स्त्री – गीता श्री
- स्त्री उपेक्षिता – प्रभा खेतान
- अन्या से अनन्या – प्रभा खेतान
- हिंदी नारी : कार्यशीलता के बदलते आयाम – डॉ. प्रभावती जड़ीया
- महिला शोषण और मानवाधिकार – सुधारानी श्रीवास्तव
- महिला उत्पीड़न – डॉ. रचना जौहरी
- प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विमर्श – डॉ. कामिनी तिवारी
- साहित्य प्रवाह और स्त्री विमर्श – डॉ. रिचा शर्मा
- उपनिवेश में स्त्री – प्रभा खेतान
- औरत अस्तित्व और अस्मिता – अरविंद जैन
- स्त्रीत्ववादी विमर्श समाज और साहित्य – क्षमा शर्मा
- स्त्री विमर्श एक सशक्त पहचान की तलाश में – डॉ. राजकुमारसिंह , जयभारती प्रकाशन
- स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प – रोहिणी अग्रवाल–राजकमल प्रकाशन
- परिधि पर स्त्री – मृणाल पाण्डे

304 (घ) : आदिवासी विम□ा

इकाई 1

आदिवासी विमर्श : अवधारणा , स्वरूप एवं विकास।
आदिवासी विमर्श : चिन्तन की परंपरा।
आदिवासी विमर्श : विशेषताएँ।
आदिवासी विमर्श का कला पक्ष।

इकाई 2

कहानियाँ

इकाई 3

उपन्यास

इकाई 4

लोककथा और कविता

सहायक ग्रंथ

- आदिवासी स्वर एवं नयी शताब्दी : संपादक : रमणिका गुप्ता
- आदिवासी साहित्य यात्रा : संपादक : रमणिका गुप्ता
- आदिवासी कौम : संपादक : रमणिका गुप्ता
- आदिवासी लोक अस्मिता खण्ड–1 : संपादक : रमणिका गुप्ता
- आदिवासी लोक : लोकसंस्कृति खण्ड–2 : संपादक : रमणिका गुप्ता
- जनजातीय मिथक : उडिया : डॉ. वेरियर एलविन. अनुवादक निरंजन महावर
- आदिवासियों की कहानियाँ : कैप्टन जे. फोरसिय , अनुवादक दिनेश मालवीय
- गोंडवाना की लोककथाएँ : डॉ. विजय चौरसिया
- आदिवासी स्वर : सामाजिक आर्थिक जीवन : संपादक कुमार चौहान , श्रीमती रेनू चौहान
- आदिवासी – स्वर : संस्कार व प्रथाएँ : संपादक हरिनारायण दत्त , श्रीमती जसप्रीत बाजवा
- आदिवासी स्वर :वाचिक परंपरा व साहित्य : संपादक वी.एस.चटर्जी , जयशंकर उपाध्याय
- आदिवासी शौर्य एवं विद्रोह : रमणिका गुप्ता

सेमेस्टर IV

401 : भाशाविज्ञान

इकाई 1

भाषा	:	परिभाषा , लक्षण , भाषा संरचना , भाषिक प्रकार्य।
भाषा विज्ञान	:	स्वरूप एवं व्याप्ति , अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक , ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 2

स्वन विज्ञान	:	स्वरूप और शाखाएँ , वागवयव और उनके कार्य , स्वन की अवधारणा एवं वर्गीकरण , स्वन गुण , स्वनिक परिवर्तन , स्वनिक विज्ञान का स्वरूप , स्वनिम की अवधारणा , स्वनिम के भेद , स्वनिमिक विश्लेषण।

इकाई 3

रूप विज्ञान	:	स्वरूप एवं शाखाएँ , रूपिम की अवधारणा , रूपिम के भेद , अर्थ तत्व एवं संबंध तत्व , रूप परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।
वाक्य विज्ञान	:	वाक्य की अवधारणा , वाक्य के तत्व , वाक्य के अंग , वाक्य के भेद , वाक्य संरचना , वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ।

इकाई 4

अर्थ विज्ञान	:	अवधारणा , शब्द और अर्थ का संबंध , अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण
प्रोक्ति विज्ञान	:	संकल्पना , परिभाषा एवं प्रकार।

विचारणीय बिंदु

- भाषा परिचय।
- भाषा विज्ञान का सामान्य बोध।
- भाषा के अध्ययन में भाषा विज्ञान का महत्व।
- हिंदी भाषा विज्ञान के विविध आयामों का परिचय।
- भाषा , समाज , और अर्थ का सम्बन्ध।

सहायक ग्रंथ

1) भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

2) हिंदी भाषा का विकास	:	डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
3) हिंदी भाषा की संरचना	:	डॉ. भोलानाथ तिवारी
4) भाषा विज्ञान की भूमिका	:	डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
5) हिंदी भाषा का इतिहास	:	डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
6) भाषा शास्त्र की रूपरेखा	:	डॉ. उदयनारायण तिवारी
7) हिंदी भाषा स्वरूप और विकास	:	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
8) भाषा विज्ञान	:	डॉ. रामकिशोर शर्मा
9) हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम	:	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
10) हिंदी भाषा	:	डॉ. हरदेव बाहरी

402 : अनुसंधान प्रक्रिया और प्रविधि

इकाई 1

अनुसंधान : अर्थ , परिभाषा एवं महत्व।
रूपरेखा निर्माण के विविध पक्ष : प्रस्तावना , शोध का औचित्य , कार्य विभाजन , उपकल्पना , संदर्भ – ग्रंथ सूची।

इकाई 2

अनुसंधान के तत्व।
शोध के सोपान।

इकाई 3

अनुसंधान एवं आलोचना में साम्य , वैषम्य।
शोधलेखन की आवश्यकता एवं मौलिकता।

इकाई 4

शोधलेखन की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ।
शोध पत्र एवं शोध ग्रंथों में प्रयुक्त विश्लेषणात्मक भाषा।

विचारणीय बिंदु

- अनुसंधान की समझ।
- हिंदी अनुसंधान की प्रक्रिया का बोध।
- शोधपत्र एवं शोध प्रबंध लेखन की समझ विकसित करना।

सहायक ग्रंथ

1) अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र : राजमल बोरा।

2) अनुसंधान का स्वरूप : डॉ. सावित्री सिन्हा

3) हिंदी अनुसंधान : उदयभानुसिंह

4) अनुसंधान के मूलतत्व : विश्वनाथप्रसाद

5) शोध प्रबंध : विजय मोहन शर्मा

6) साहित्यिक अनुसंधान के आयाम : डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन

7) शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका : डॉ. सरनामसिंह

8) अनुसंधान और आलोचना : डॉ. नगेन्द्र

403 (क) : जनसंचार माध्यम

इकाई 1

जनसंचार माध्यम : स्वरूप एवं प्रकृति।
जनसंचार के विविध माध्यम : प्रिन्ट , श्रव्य , श्रव्य–दृश्य , इंटरनेट।

इकाई 2

हिंदी पत्रकारिता उद्‌भव और विकास।
समाचार: स्वरूप , संकलन , निर्माण।
संपादन प्रक्रिया , आधारभूत तत्व।

इकाई 3

संपादक और उसका दायित्व।
दृश्य एव दृश्य–श्रव्य माध्यमों की प्रकृति।
संचार माध्यमों की भाषा।

इकाई 4

पटकथा , फीचर एवं डाक्यूमेट्री एवं विज्ञापन।
पृष्ठसज्जा।
प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

विचारणीय बिंदु

- जनसंचार माध्यमों का परिचय।
- जनसंचार माध्यमों की सामाजिक सम्बद्धता एवं उपादेयता।
- पत्रकारिता लेखन कला का बोध।

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम	:	वेदप्रताप वैद्य
2) मीडिया लेखन	:	सुमित मोहन
3) भारत में संचार और जनसंचार	:	डॉ. जे वी. विलानिलम , अनुवादक डॉ. शशिकांत शुक्ल
4) समाचार संकलन और लेखन	:	डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
5) कम्प्यूटर एक परिचय	:	संपादक , संतोष चौबे
6) पटकथा लेखन	:	मनोहरश्याम जोशी
7) हिंदी पत्रकारिता	:	कृष्णबिहारी मिश्र
8) प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं प्रयोग	:	डॉ. माधव सोनटक्के
9) प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम	:	डॉ. मनोज पाण्डेय

403 (ख) : अनुवाद अध्ययन

इकाई 1

अनुवाद : अर्थ , परिभाषा , क्षेत्र
अनुवाद की परंपरा।
अनुवाद के प्रकार।
अनुवाद प्रविधि , आवश्यकता एवं महत्व।

इकाई 2

कार्यालयीन अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान।
साहित्यिक अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान।

इकाई 3

जन संचार माध्यमों में अनुवाद।
वाणिज्यिक अनुवाद।
दुभाषिया प्रविधि।

इकाई 4

अनुवाद के उपकरण।
अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

विचारणीय बिंदु

- अनुवाद का सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक परिचय।
- अनुवाद प्रक्रिया की समज विकसित करना।
- अनुवाद की उपयोगिता एवं महत्व बोध।

सहायक गंथ

1) प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत एवं प्रयोग – डॉ. दंगल झाल्टे
2) प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना और प्रयोग – डॉ. माधव सोनटक्के
3) अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं अनुप्रयोग – डॉ. नगेन्द्र
4) अनुवाद विज्ञान – गार्गी गुप्त
5) अनुवाद विज्ञान सिद्धांत सिद्धी – अवधेश मोहनगुप्त
6) प्रशासन में राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
7) अनुवाद – विश्वनाथ अय्यर
8) प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम – डॉ. मनोज पाण्डेय

404 (क) : हिंदी का लोकसाहित्य

इकाई 1

लोकसाहित्य : परिभाषा , क्षेत्र और रूप।
लोकसाहित्य के तत्व।

इकाई 2

लोकसाहित्य की विशेषताएँ एवं महत्व।
लोकवार्ता एवं लोकसाहित्य का संबंध।

इकाई 3

लोकसाहित्य के विविध सम्प्रदाय।
हिंदी लोकसाहित्य : संकलन एवं सर्वेक्षण की प्रविधि।

इकाई 4

लोककथा , लोकगीत , लोकनाट्य : स्वरूप एवं परंपरा।

लोकोक्ति साहित्य।

विचारणीय बिंदु

- लोकसाहित्य का परिचय।
- हिंदी साहित्य के विकास में लोकसाहित्य की भूमिका का बोध।
- लोकसाहित्य के विविध पक्षों एवं घटकों का परिचय।

सहायक ग्रंथ

1) लोकसाहित्य विज्ञान	:	डॉ. सत्येन्द्र
2) भोजपुरी लोकसाहित्य का अध्ययन	:	कृष्णदेव उपाध्याय
3) भारतीय लोकसाहित्य	:	श्याम परमार
4) ग्राम साहित्य	:	रामनरेश त्रिपाठी
5) ब्रज लोकसाहित्य का अध्ययन	:	डॉ. सत्येन्द्र
6) मालवी लोकगीत	:	श्याम परमार
7) राजस्थानी लोकोक्तियाँ	:	डॉ. कन्हैयालाल सहल
8) गढ़वाली लोकगीत	:	नत्थीप्रसार जुगपाल
9) लोकसाहित्य	:	झबेरचंद्र मेघाडे
10) हिंदी साहित्य पर लोकसाहित्य का प्रभाव	:	देवेंद्र सत्यार्थी
11) कहावतों की कहानियाँ	:	महावीर प्रसाद पोतद्दार
12) हमारी लोककथाएँ	:	शिवसहाय चतुर्वेदी
13) भारतीय लोकसाहित्य	:	श्याम परमार
14) लोकसाहित्य और संस्कृति	:	दिनेश्वर प्रसाद
15) नागपुरी लोकसाहित्य	:	भुवनेश्वर अनुज
16) नारायण सूर्वे व्यक्तित्व एवं कृतित्व	:	डॉ. विद्या शिंदे
17) लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धान्तिक विवेचन	:	डॉ. नारायण चौधरी
18) भारतीय लोकसाहित्य (नौ भागों मे)	:	सुरेश गौतम , वीना गौतम

19) लोक साहित्य : अर्थ और व्याप्ति : सुरेश गौतम

404 (ख) : हिंदी सिनेमा

इकाई 1

शतरंज के खिलाड़ी (कहानी)	–	शतरंज के खिलाड़ी (फिल्म)	–	प्रेमचंद
तीसरी कसम (कहानी)	–	तीसरी कसम (फिल्म)	–	फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई 2

काली आँधी (उपन्यास)	–	आँधी (फिल्म)	–	कमलेश्वर
यही सच है (कहानी)	–	रजनीगंधा (फिल्म)	–	मन्नु भंडारी

इकाई 3

सारा आकाश (उपन्यास)	–	सारा आकाश (फिल्म)	–	राजेन्द्र यादव
पंचवटी (उपन्यास)	–	एक और पंचवटी (फिल्म)	–	कुसुम अंसल

इकाई 4

डाक्यूममेंटरी फिल्म
फिल्म पटकथा लेखन

सहायक ग्रंथ

1) सिनेमा के सौ बरस : सं. मृत्युंजय (शिल्पायन)

2) सिनेमा का समाजशास्त्र : जबरीमल पारख

3) हिंदी सिनेमा का सच : शंभुनाथ

4) हिंदी साहित्य और सिनेमा : विवेक दुबे

5) सिनेमा–नया सिनेमा : ब्रजेश्वर मदान

6) सिनेमा का जादुई सफर : प्रताप सिंह

7) सिनेमा की सोच : ब्रहमात्मज अजय

8) सिनेमाः समकालीन सिनेमा : ब्रहमात्मज अजय

9) सिनेमाई भाषा और हिंदी संवेदना का विश्लेषण : किशोर वासवानी

10) सिनेमा और साहित्य : हरिशकुमार

11) फिल्म पत्रकारिता : विनोद तिवारी

404 (ग) तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 1

तुलनात्मक अध्ययन : अर्थ , परिभाषा एवं स्वरूप।
तुलनात्मक अध्ययन का क्षेत्र।
तुलनात्मक अध्ययन के मूल तत्व।
तुलनात्मक अध्ययन के प्रमुख आधार।
तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ।
तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता/उपयोगिता।

निम्नलिखित कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 2

कहानियाँ

अंधड (हिंदी कहानी) – ओमप्रकाश वाल्मीकि
जेव्हा मी जात चोरली (मराठी कहानी) – बाबुराव बागुल

इकाई 3

उपन्यास

गोदान (हिंदी उपन्यास) – प्रेमचंद
गणदेवता (बंगला उपन्यास) – ताराशंकर बंदोपाध्याय (बंगला से हिंदी में अनूदित)

इकाई 4

काव्य

मुक्तिबोध – हिंदी – भूल गलती
नारायण सुर्वे – मराठी – कार्लमार्क्स

विचारणीय बिंदु

- साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन परिचय।
- तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता एवं उपयोगिता का महत्व निरूपम।
- तुलनात्मक अध्ययन की विशेषताओं का बोध।

सहायक ग्रंथ

1) तुलनात्मक साहित्य – इंद्रनाथ चौधरी
2) तुलनात्मक साहित्य – डॉ. आनंद पाटील
3) तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. भ. ह. राजुरकर एवं राजमल बोरा
4) तुलनात्मक साहित्य – महावीर सिंह चौहान
5) तुलनात्मक साहित्य – एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
6) तुलनात्मक साहित्य शोध और समीक्षा – पी.आदेश्वरराव
7) तुलनात्मक साहित्य – राजमल बोरा
8) तुलनात्मक साहित्य – डॉ. नगेन्द्र

104 (घ) अनूदित साहित्य

इकाई 1

हयवदन (नाटक)	:	गिरीश कर्नाड (कन्नड)
बोल (नज्म)	:	फैज अहमद फैज (उर्दू)

इकाई 2

आंसू से भरे भरे	:	कैफी अहमद (उर्दू)
आदमी नामा	:	नजीर अकबराबादी

कहानी :

इकाई 3

झबेरचंद मेघानी, उमाशंकर जोशी	:	गुजराती
राजेन्द्र शाह	:	मणिपुरी
अखिल मोइन पटनायक	:	उड़िया

इकाई 4

मेरा कसूर क्या है–चेलम	:	वीणापाणि मोइंली	:	तेलगु
	:	जयकांतन / कल्कि	:	तमिल

प्र□न पत्र पैटर्न (Question Paper Pattern : Total marks =80)

1) प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत दो दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से किसी एक का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा। 1×20 = 20

2) प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत दो दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा। 1×20 = 20

3) प्रश्न क्रमांक 3 में 8 लघुत्तरी प्रश्नों में से 4 प्रश्न के उत्तर हल करने होंगे। जिनके उत्तर 10 से 15 पंक्तियों में अपेक्षित हैं। 4×5 = 20

4.अ) प्रश्नक्रमांक 4 (अ) के अंतर्गत 10 अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।जिनमें से 5 के उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में अपेक्षित हैं। 5×2 = 10

4.ब) प्रश्न क्रमांक 4 (ब) के अंतर्गत 10 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक बहुपर्यायी प्रश्न पर एक अंक है। 10×1 = 10

आंतरिक मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंक होंगे। इसमें प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों की उपस्थिति , विषय प्रस्तुति तथा सेमिनार के ऊपर अंक निर्धारित होंगे।